क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 294, शनिवार, 24 नवम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

अयोध्या धर्मसभा : पीएसी के साथ केंद्रीय बलों की तैनाती,आपात स्थितियों के लिए एटीएस के कमांडो भी लगाए गए

लखनऊ। अयोध्या में विश्व हिन्दू परिषद और शिवसेना के आयोजनों को देखते हुए शांति व कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। 24 व 25 नवंबर को पूरी अयोध्या छावनी में तब्दील रहेगी। इसके लिए पुलिस व पीएसी के अलावा केंद्रीय बलों की तैनाती भी की गई है। आपात स्थितियों से निपटने के लिए एटीएस के कमांडो भी वहां मौजूद रहेंगे। डीजीपी ओपी सिंह ने बताया कि अयोध्या में जिले की फोर्स के अलावा एक एडीजी, एक डीआईजी, तीन एसपी, 10 एएसपी, 21 डीएसपी, 160 इंस्पेक्टर, 700 कांस्टेबल, 42 कंपनी पीएसी व 5 कंपनी आरएएफ के अलावा एटीएस के कमांडो भी तैनात किए गए हैं। कानून-व्यवस्था की दृष्टि से निगरानी के लिए ड्रोन कैमरे भी लगाए गए हैं। अयोध्या के सर्वाधिक संवेदनशील अधिग्रहीत परिसर वाले क्षेत्र में सुरक्षा प्रबंधों की निगरानी में एडीजी व डीआईजी स्तर के अधिकारी लगाए गए हैं। पूरी सुरक्षा व्यवस्था सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार की गई है, ताकि शांति बनी रहे और ट्रैफिक नियंत्रित रहे। डीजीपी ने कहा कि 24 नवंबर को शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के दो कार्यक्रमों और 25 नवंबर को रामलला के दर्शन के कार्यक्रम की सूचना है। इसी तरह 25 नवंबर को विहिप की धर्मसभा है। धर्मसभा में संभावित भीड़ को देखते हुए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी हालात पर नजर बनाए हुए हैं। एडीजी लखनऊ जोन राजीव कृष्ण को पूरी व्यवस्था का पर्यवेक्षण करने की जिम्मेदारी दी गई है। वह जिले व रेंज के पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर संवेदनशील स्थानों को चिह्नित करते हुए वहां फोर्स की तैनाती कराएंगे।

शिवसेना के सांसद संजय राउत बोले- जो सांसद राम मंदिर का विरोध करेगा उसका देश घूमना मुश्किल होगा

नई दिल्ली। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के अयोध्या आने से पहले ही पार्टी राम मंदिर निर्माण को लेकर सियासी पारा बढ़ाने में लगी है। शिवसेना के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने कहा कि हमने 17 मिनट में बाबरी तोड़ दी तो कानून बनाने में कितना टाइम लगता है? राष्ट्रपति भवन से लेकर यूपी तक बीजेपी की सरकार है। राज्यसभा में ऐसा बहुत से सांसद हैं जो राम मंदिर के साथ खड़े रहेंगे जो विरोध करेंगे उसको देश में घूमना मुश्किल होगा। वहीं शिवसेना ने शुक्रवार को अपने मुखपत्र 'सामना' के एक संपादकीय में बीजेपी से अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर अध्यादेश लाने और तारीख की घोषणा करने के लिए कहा है। संपादकीय में लिखा, सत्ता में बैठे लोगों को शिवसैनिकों पर गर्व होना चाहिए जिन्होंने राम जन्मभूमि में बाबर राज को खत्म कर दिया। शिवसेना ने कहा कि वह चुनाव के दौरान न तो भगवान राम के नाम पर वोटों की भीख मांगती है और न ही जुमलेबाजी करती है। संपादकीय में लिखा है, हमारे अयोध्या दौरे को लेकर खुद को हिंदुत्व समर्थक कहने वालों के पेट में दर्द क्यों हो रहा है? हम राजनीतिक मकसद से वहां नहीं जा रहे हैं। शिवसेना ने दावा किया कि उसने चलो अयोध्या का नारा नहीं दिया है। उसने कहा, अयोध्या किसी की निजी जगह नहीं है। शिवसैनिक वहां भगवान राम के दर्शन करने जा रहे हैं। संपादकीय में ये भी कहा गया है।

पटना में बृहस्पतिवार को एक कार्यक्रम में पर्वत पुरुष दशरथ मांझी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

यूपी :सीआरपीएफ के जवान ने खुद को गोली से उड़ाया

लखनऊ। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के लखनऊ ग्रुप केन्द्र में तैनात जवान मनजिंदर सिंह (32) ने शुक्रवार सुबह खुद को गोली मारकर जान दे दी। अचानक फायरिंग की आवाज सुनकर कैंप में हड़कम्प मच गया। कर्मचारी भागकर मौके पर पहुंचे तो मनजिंदर लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़ा था। जवानों ने घायल साथी को अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की लेकिन इससे पहले ही उसने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना पर पहुंची सरोजनीनगर पुलिस का कहना है कि मनजिंदर ने साथी जवान की लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मारी है। जबकि घटना के वक्त उसकी राइफल भी पास में ही रखी थी। एएसपी पूर्वी सर्वेश कुमार मिश्रा ने बताया कि मनजिंदर सिंह पंजाब के अमृतसर का रहने वाला था। वह सरोजनीनगर स्थित सीआरपीएफ के ग्रुप सेंटर में सिपाही (वॉशरमैन) के पद पर तैनात था। शुक्रवार सुबह मनजिंदर ने सेंटर में ही तैनात गार्ड विजय कुमार लांबा की सर्विस पिस्टल से खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर पहुंचे साथी उसे परिसर में स्थित विभागीय अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कमाण्डर लाल प्रताप सिंह ने बताया कि वॉशरमैन मनजिंदर सिंह यूनिट नंबर 224 की बैरक नंबर तीन में रहता था। उसने कनपटी में पिस्टल सटाकर गोली मारी है। पुलिस को गार्ड रूम से पिस्टल का खोखा मिला है जबकि मैगजीन में चार जिंदा कारतूस और एक कारतूस रायफल के चेंबर में फंसा मिला। पुलिस ने पिस्टल कब्जे में ले ली है।

25 अगस्त को सिपाही की हुई थी मौत

इंस्पेक्टर रामसूरत सोनकर ने बताया कि गार्ड रूम व बैरक की तलाशी ली गई।

आंसर की जारी होने के साथ ही कई प्रश्नों के उत्तर पर उठी आपत्ति

प्रयागराज। दो दिन के इंतजार के बाद आखिरकार शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की उत्तर कुंजी (आंसर की) गुरुवार को जारी कर दी गई। 18 नवंबर को हुई इस परीक्षा में पूछे गए एक दर्जन से अधिक प्रश्नों के उत्तर पर प्रतियोगी छात्रों ने आपत्ति की है। प्रतियोगियों ने परीक्षा नियामक प्राधिकारी दफ्तर में साक्ष्य सहित आपत्ति दर्ज कराना शुरू कर दिया है। समावेशी कक्षा में किस प्रकार के छात्र-छात्राएं शामिल होते हैं? इस प्रश्न का उत्तर आयोग ने केवल विशिष्ट छात्र दिया है जबकि प्रतियोगी छात्रों का कहना है कि इसका उत्तर सामान्य और विशिष्ट छात्र होगा। निम्न में से कौन सा संवेग का तत्व नहीं है? इस प्रश्न का उत्तर आयोग ने संवेदी माना है जबकि प्रतियोगी छात्रों का कहना है कि उत्तर संवेदी नहीं बल्कि दैहिक होगा। निम्न में से कौन सा शिक्षण का सूत्र नहीं है? आयोग ने इसका उत्तर निगमन से आगमन की ओर माना है जबकि प्रतियोगियों का कहना है कि सही उत्तर दृश्य से अदृश्य की ओर होगा। क्रिया-प्रसूत अनुबंधन का दूसरा नाम है? प्रश्न का उत्तर आयोग ने नैमित्तिक अनुबंधन दिया है जबकि प्रतियोगी छात्रों का कहना है कि इस प्रश्न के दो उत्तर विकल्प सही हैं। नैमित्तिक अनुबंधन के साथ ही प्राचीन अनुबंधन भी इसका सही उत्तर है। सीखने के वक्र अभ्यास द्वारा सीखने की मात्रा, गति और प्रगति की सीमा को ग्राफ पर प्रदर्शित करते हैं। यह किसने कहा है ? इस प्रश्न का उत्तर आयोग ने एबिंगहास दिया है जबकि प्रतियोगी छात्र साक्ष्य सहित इसे गलत बता रहे हैं। उनका कहना है कि सही उत्तर गेट्स एवं अन्य होगा, लेकिन उत्तर में यह विकल्प में नहीं है। इस प्रकार प्रतियोगी इस प्रश्न को ही गलत बता रहे हैं। मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोय। जातन की झांई परै, स्याम हरित दुति होय। इस प्रश्न का उत्तर आयोग ने श्लेष अलंकार दिया है जबकि प्रतियोगियों की मानें तो अन्योक्ति और रूपक अलंकार भी इसका सही उत्तर है। इसी तरह कौन स्वर ह्रस्व नहीं होता है? प्रश्न का आयोग ओ सही उत्तर बता रहा है जबकि प्रतियोगियों का दावा है कि ओ के साथ ही ऊ विकल्प भी इसका सही है। निम्न में से पुलिंग शब्द का चयन कीजिए? प्रश्न के भी दो उत्तर विकल्पों को प्रतियोगी सही बता रहे हैं। इनका कहना है कि चार विकल्पों में दिया गया।

»» जेल में एलईडी टीवी, सोफा-सेट, कज़्प्यूटर, प्रिंटर आदि प्रतिबंधित वस्तुएं पाई गई।

कौन है जो तिहाड़ में मुहैया करा रहा ऐशो आराम का सामान

नई दिल्ली, एजेंसी। हजारों फ्लैट खरीदरों की रकम हड़पने के आरोप में बंद यूनिटेक के चंद्रा बंधुओं की तिहाड़ जेल में अय्याशी पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से जवाब तलब किया है। जेल में एलईडी टीवी, सोफा-सेट, कम्प्यूटर, प्रिंटर आदि प्रतिबंधित वस्तुएं पाई गई। दिल्ली के एक जज ने जेल का मुआयना किया तो संजय और अजय चंद्रा के ठाठ-बाट देखकर वह भी चकित रह गए। जज ने तिहाड़ जेल की महानिदेशक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश की है। जस्टिस मदन लोकुर, एस अब्दुल नजीर और दीपक गुप्ता की बेंच ने अखबारों की खबरों और जज की रिपोर्ट के आधार पर कहा कि जेलों में क्या समानांतर व्यवस्था चल रही है। अदालत ने केन्द्र सरकार से जानना चाहा कि इस मामले में क्या कार्रवाई की गई है। बेंच ने कहा कि चंद्रा बंधुओं और कुछ अन्य द्वारा विलासितापूर्ण जीवन शैली गुजारने के बारे में कैदियों से मिली शिकायत के बाद चार सितंबर को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने जेल का निरीक्षण किया था। यह रिपोर्ट उपलब्ध है। अदालत ने केन्द्र सरकार के वकील से सवाल किया कि न्यायाधीश की रिपोर्ट कहती है कि यूनिटेक के अधिकारियों को तिहाड़ में सुविधाएं मिल रही हैं। क्या जेलों में समानांतर व्यवस्था है क्या जेलों में उन्हें विशेष अधिकार प्राप्त हैं। आप इसके बारे में क्या कर रहे हैं। बेंच ने कहा कि यह लोग टीवी का आनंद ले रहे हैं। ईर जाने वे क्या क्या आनंद ले रहे हैं। वे सोफों पर बैठते हैं। केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल अमन लेखी ने कहा कि ऐसे मामलों में कार्रवाई की जानी चाहिए। ऐसी घटनाओं से पूरी गंभीरता से निपटना चाहिए। लेकिन जब एएसजी ने यह कहा कि सुप्रीम कोर्ट विचाराधीन कैदियों के लिए तेजी से सुनवाई करने से संबंधित मुद्दे की सुनवाई कर रही है तो अदालत ने टिप्पणी की कि हम कुछ ऐसी चीज से रूबरू हो रहे हैं जो स्तबध करती है। अदालत ने बिहार सहित कई राज्यों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल के बारे में भी मीडिया की खबरों का जिक्र किया। यह मुद्दा उस समय उठा जब अदालत ने जेलों में खामियों के बारे में जून महीने में दो न्यायाधीशों की रिपोर्ट का जिक्र किया। सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीशों ने इस साल जून में फरीदाबाद जेल का भी मुआयना किया था और कारागार में व्याप्त खामियों का जिक्र किया था। दो में से एक जज रिटायर्ड हो गए हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने दिल्ली हाई कोर्ट का संपी रिपोर्ट में तिहाड़ जेल में भ्रष्टाचार और अधिकारों के दुरुपयोग की बात कही है।

अयोध्या धर्मसभा : अनिश्चित आशंकाओं से सहमी हुई है रामनगरी

अयोध्या, एजेंसी। सर्द होते मौसम के साथ 25 नवम्बर की तिथि कहीं ज्यादा सर्द और सुर्ख होती दिखाई दे रही है। यह इसलिए नहीं कि मौसम ने अचानक करवट ले ली है बल्कि इसलिए कि विहिप व शिवसेना के एक साथ आयोजित कार्यक्रमों ने माहौल में अजीबो-गरीब कश्मकश पैदा कर दी है।

इससे पैदा हुई गर्मी के कारण 'अयोध्या' अनिश्चित आशंकाओं से सहमती जा रही है। इस बीच हिन्दू संगठनों के परम्परागत विरोधियों के आयोजनों से वातावरण में और भी उत्तेजना फैल रही है।

इसी के साथ अफवाहों को भी पंख लग गए हैं जितने मुंह उतनी बातें। आलम यह है कि रामनगरी में चल रहा कार्तिक मेला पीछे छूट गया है।

मालूम हो कि हिन्दी वर्ष के महीनों में कार्तिक मास को बड़ा ही पवित्र मास माना जाता है। इस मास में वैष्णव नगरी में मास पर्यन्त कल्पवास की परम्परा है। इसी परम्परा के निर्वहन में लाखों श्रद्धालु शरद पूर्णिमा के पर्व से यहां आकर विविध अनुष्ठान में सहभागी होते हैं। इस बीच यहां अक्षय नवमी के पर्व से 14 कोसी परिक्रमा के साथ कार्तिक मेला का भी शुभारम्भ होता है और इस मेला का समापन पूर्णिमा स्नान से होता है।

इसी के साथ कल्पवास का अनुष्ठान भी पूर्ण हो जाता है। इस बार की स्थिति बदली-बदली सी नजर आ रही है।

दीपोत्सव के ठीक बाद आयोजित होने वाले कार्तिक परिक्रमा में उमड़े श्रद्धालुओं के रेले में पिछले रिकार्डों को निश्चित ही ध्वस्त किया लेकिन तिथि प्रधान इस मेला से मेलार्थी अचानक फुर्र हो गए हैं।

वह भी तब जबकि पूर्णिमा स्नान 22/23 नवम्बर को है। ऐसे में माना जा रहा है कि परिक्रमा के बाद स्नान पर्व महज औपचारिक ही हो जाएगा। इसी के चलते बाहरी दुकानदारों ने भी अपनी दुकानें समेटनी शुरू कर दी है।

फिलहाल अयोध्या मेला में आए श्रद्धालु जिस तेजी के साथ अपने घरों को लौट रहे हैं, वह यह बताने के लिए काफी है कि अंदरखाने किस कदर दहशत बैठ गयी है। यही कारण है कि बाबरी मस्जिद के पक्षकार इकबाल अंसारी ने अपने और परिवार के साथ कौम की सुरक्षा की मांग कर सनसनी फैला दी।

उधर शासन के निर्देश पर जिला प्रशासन ने अंसारी को अतिरिक्त सुरक्षा उपलब्ध कराकर उन्हें चुप कराने की कोशिश जरुर की है लेकिन अल्पसंख्यक परिवारों की बेचैनी कम होने का नाम नहीं ले रही है।

कर्फ्यू की आशंका में लोगों ने अपने घरों में खाद्य सामग्रियों को भी एकत्र करना शुरू कर दिया है। इस बीच जिला प्रशासन भी सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त में जुट गया है। मिली जानकारी के अनुसार कार्तिक मेला के अवसर पर आई फोर्स को अग्रिम आदेशों तक रोक दिया गया है।

धर्मसभा : अयोध्या कूच को घर-घर बांट रहे हल्दी-चावल से न्योता

गोंडा, एजेंसी। राम मंदिर निर्माण को लेकर 25 नवंबर को आयोजित धर्मसभा में पहुंचने के लिए विहिप के कार्यकर्ता घर-घर जाकर जनसंपर्क कर रहे हैं और हल्दी-चावल व सुपारी बांटकर लोगों से अयोध्या पहुंचने का निमंत्रण दे रहे हैं।

अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर निर्माण के लिए 25 नवंबर को धर्मसभा का आयोजन किया गया है। आरएसएस व उसके अनुसांगिक संगठन इस धर्मसभा में बड़ी संख्या में राम भक्तों की मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए दिन रात एक किए हुए हैं। शुक्रवार को इन संगठनों ने जिलेभर में जनजागरण यात्रा निकाली और लोगों से अयोध्या पहुंचने की अपील की। जनजागरण यात्रा के बाद शाम को विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने शहर में घर-घर जाकर जनसंपर्क किया और न्योता देने के पारंपरिक तरीके को अपनाते हुए हल्दी-चावल व सुपारी बांटकर लोगों को अयोध्या चलने का निमंत्रण दिया। न्योता बांटने के इस कार्यक्रम का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद के प्रदेश सह मंत्री राकेश वर्मा उर्फ गुड्डू वर्मा ने किया। राकेश वर्मा ने बताया कि इस धर्मसभा में पुरुष रामभक्तों के साथ-साथ बड़ी संख्या में महिला राम भक्त भी शामिल होंगी और भगवान राम के मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सांसद मनोज तिवारी के खिलाफ कार्रवाई की जिम्मेदारी भाजपा पर छोड़ी

और कितना नीचे गिर सकते हैं तिवारी

अदालत की अवमानना से मुक्त कियाभाजपा प्रदेश अध्यक्ष के आचरण की तीव्र निंदा कीलीडर को अंध अनुयायी नहीं होना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी के आचरण की तीव्र निंदा की लेकिन उन पर कार्रवाई की जिम्मेदारी उनकी पार्टी पर छोड़ दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सांसद के रूप में मनोज तिवारी ने बेहद गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाया। जस्टिस मदन लोकुर, एस अब्दुल नजीर और दीपक गुप्ता की बेंच ने कहा कि सांसद तिवारी के जहन में कानून का सम्मान करने की कोई जगह नहीं है। निगरानी समिति पर लगाए गए अनर्गल आरोपों से साफ है कि वह कितना नीचे गिर सकते हैं। भाजपा नेता को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना के मामले में उन्हें दंडित करने से तो बख्श दिया लेकिन गलत जगह साहस का प्रदर्शन करने के लिए उन्हें फटकार लगाई। साथ ही अदालत ने कहा कि सीलबंद इमारत का ताला तोड़कर वह बिना किसी वजह से बागी बने। अदालत ने तिवारी के कदम पर अफसोस जताते हुए कहा कि सीलिंग पर अदालत द्वारा गठित निगरानी समिति के खिलाफ ओछे आरोप लगाकर उनका गलत जगह साहस का प्रदर्शन करना और छाती पीटना साफ संकेत देता है कि वह वह कितने नीचे जा सकते हैं और उन्होंने कानून के शासन के प्रति सम्मान के पूर्ण अभाव को प्रदर्शित किया। अदालत ने कहा कि इस बात पर जरा भी संदेह नहीं है कि भाजपा सांसद तिवारी ने 16 सितंबर को पूर्वी दिल्ली नगर निगम (ईडीएमसी) के पशु चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा एक इमारत पर लगाई गई सील को तोड़ा या उसके साथ छेड़छाड़ की। सुप्रीम कोर्ट उनके व्यवहार से दुखी है क्योंकि वह एक निर्वाचित प्रतिनिधि हैं। वह दिल्ली के जिम्मेदार नागरिक हैं। मनोज तिवारी का तीन अक्टूबर को सुनवाई के तुरंत बाद गलत जगह साहस का प्रदर्शन करना और अदालत द्वारा गठित निगरानी समिति के खिलाफ गंभीर लेकिन ओछे आरोप लगाना इस बात के स्पष्ट संकेत देता है कि मनोज तिवारी कितना नीचे जा सकते हैं और यह विधि के शासन के प्रति उनके पूर्ण तिरस्कार को दर्शाता है।

झारखंड में स्व रोजगार को बढ़ावा देने को उठा रहे हैं कदम : बौरी

नई दिल्ली। ट्रेड फेयर में बृहस्पतिवार को झारखंड दिवस समारोह आयोजित किया गया। समारोह का उद्घाटन प्रदेश के युवा कार्य मंत्री अमर कुमार बौरी ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हम स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रहे हैं, जिसके अंतर्गत पिछले साल राज्य में मोमेंटम झारखंड आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि किसानों को प्रोत्साहन एवं नए उद्यमों की जानकारी देने के लिए राज्य सरकार की ओर से कई किसानों को विदेश भेजा गया। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश तरक्की की ओर अग्रसर है। इस बार फेयर में झारखंड फोकस स्टेट के तौर पर शामिल हुआ है। इस मौके पर झारखण्ड सरकार के डेवलपमेंट कमिश्नर डीके तिवारी एवं झारखण्ड उद्योग विभाग के सचिव के रवि कुमार समेत कई अला अधिकारी मौजूद थे।

संपादकीय

''केंद्र सरकार के एजेंट'

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा भंग करने के राज्यपाल के निर्णय को लोकतंत्र और संविधान की आत्मा के अनुकूल नहीं कहा जा सकता है। विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने में अभी दो साल का समय शेष था। वहां दिसम्बर 2014 में चुनाव हुआ था और अन्य राज्यों से इतर जम्मू-कश्मीर विधानसभा का कार्यकाल छह वर्ष का होता है। ऐसे राजनीतिक परिदृश्य में अगर कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के समर्थन से पीडीपी के नेतृत्व में नई सरकार के गठन की कोई संभावना बन रही थी कि तो राज्यपाल को एक अवसर देना चाहिए था। पीडीपी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और भाजपा के समर्थन से पीपुल्स कान्फ्रेंस के नेता सज्जाद लोन द्वारा सरकार बनाने का दावा पेश करने के बीच सूबे के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने जिस तरह से आनन-फ ानन में विधानसभा भंग करने का शासनादेश जारी किया, उससे राज्यपाल की तटस्थ भूमिका सवालों के घेरे में आ गई। एक बार फिर राज्यपाल ने ''केंद्र सरकार के एजेंट' बतौर अपने विवेकाधिकार का इस्तेमाल किया। पिछले जून में पीडीपी-भाजपा सरकार का पतन हुआ था। तब से विधानसभा निलंबित है। सत्यपाल मलिक जैसे मंजे हुए राजनीतिक को सूबे का राज्यपाल बनाकर भाजपा नये सहयोगी के साथ मिलकर अपनी सरकार बनाना चाहती थी। उसे सज्जाद लोन के रूप में एक नया सहयोगी भी मिला, जो पीडीपी और दूसरे दलों के असंतुष्ट विधायकों को अपने साथ लाने में की रणनीति पर आगे बढ़ रहे थे। इस नये राजनीतिक समीकरण को समझते ही तलवार और ढाल की तरह एक दूसरे से मिलने वाली पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस एक साथ आने पर सहमत हो गई। इनका एक साथ मंच पर आना किसी को भी आर्श्चय में डाल सकता है; क्योंकि जम्मू-कश्मीर के विशेष राज्य के दज्रे को बचाये रखना और भाजपा को सत्ता से दूर रखने के सिवाय इनके बीच आम सहमति के सभी मुद्दे नदारद हैं। लेकिन पीडीपी, नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के एक मंच पर आने से यह तय हो गया था कि सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत इनके पास है। ऐसी सूरत में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के पास दो ही विकल्प थे-विधानसभा भंग करके नया चुनाव कराना या सूबे में गैर-भाजपा सरकार बनते देखना। भाजपा को दूसरा विकल्प मुफीद लगा। यह तय है कि राज्यपाल के फैसलों को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी जाएगी। सूबे का भविष्य अब उसके फैसलों पर ही निर्भर करेगा।

एटीएम का संचालन

आधी एटीएम बंद होने की चेतावनी वाली खबर ने हर उस व्यक्ति की चिंता बढ़ा दी है जो धन निकालने के लिए एटीएम का उपयोग करते हैं। दरअसल, एटीएम उद्योग परिसंघ ने कहा है कि उनके लिए एटीएम का संचालन काफी खर्चीला हो गया, इसलिए उन्हें बड़ी संख्या में बंद करने पर विचार करना पड़ रहा है। अगर इनके अनुसार कुल 2 लाख 38 हजार में से 1 लाख 13 हजार एटीएम बंद हो जाएगा तो सबसे ज्यादा समस्या आम उपभोक्ताओं को होगा। हटाए वाले संभावित एटीएम में 1 लाख के आसपास बैंक शाखाओं से हटकर लगाए गए तथा 15,000 से अधिक व्हाइट लेबल एटीएम शामिल हैं। यानी वे गैर शहरी क्षेत्र में होंगे तो इनका खमियाजा गांवों के लोगों को होगा। जो लोग अपनी पेंशन या सब्सिडी राशि निकालते हैं, सबसे ज्यादा समस्याएं उनके सामने आएंगी। हालांकि अभी एटीएम उद्योग परिसंघ ने ऐसा निर्णय नहीं किया है, लेकिन उसकी चिंता पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे एटीएम की संख्या कम कर सकते हैं। नकद प्रबंधन मानकों को अनिवार्य करने के साथ हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को उन्नत बनाने तथा नकदी डालने की कैसेट अदला-बदली व्यवस्था में व्यापक बदलाव के निर्णय ने उन्हें इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए मजबूर किया है। एटीएम के साथ छेड़छाड़ और साइबर हमलों में लगातार वृद्धि को देखते हुए उसे सुरक्षित बनाने के लिए हार्डबेयर, सॉफ्टवेयर को उन्नत करने के लिए ये दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। परिसंघ का कहना है कि खर्च वे वहन नहीं कर सकतें और इससे एटीएम का परिचालन व्यावहारिक नहीं रह जाएगा। परिसंघ कह रहा है कि एटीएम का रख-रखाव करने वाले सेवा प्रदाता, ब्राउन लेबल एटीएम तथा व्हाइट लेबल एटीएम परिचालक अभी भी नोटबंदी के प्रभाव से उबर नहीं पाए हैं। ब्राउन लेबल एटीएम में सेवा प्रदाता एटीएम की हार्डवेयर मशीनों का जिम्मा संभालते हैं। एटीएम के लिए जगह, पट्टा समझौता समेत सभी कार्य उन्हीं का होता है जबकि प्रायोजक बैंक नकद प्रबंधन का जिम्मा संभालते हैं। वहीं व्हाइट लेबल एटीएम का परिचालन गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां करती हैं। हमारा मानना है कि सरकार एवं बैंकों को तुरंत परिसंघ के साथ बैठक करके इसका रास्ता निकालना चाहिए।

नकारात्मक प्रचार का ही ज्यादा से ज्यादा सहारा

भाजपा और मोदी सरकार के साढ़े चार साल के प्रदर्शन के साथ-साथ जिन तीन राज्यों में भाजपा खुद सत्ता में रही है, वहां राज्य सरकारों के प्रदर्शन पर भी बहस से भागने की पूरी कर रही है, और हिन्दुत्व की दुहाई से जुड़े भावनात्मक मुद्दों के सहारे ही चुनाव की वैतरणी पार करने की कोशिश कर रही है। बेशक, इसका काफी कुछ संबंध मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा राजस्थान में भाजपा की राज्य सरकारों की विफलताओं से पैदा हुई जनता की नाराजगी से भी है। अगर मध्य प्रदेश तथा छत्तीस गढ़ में भाजपा के डेढ़ दशक लंबे शासन से जनता की गहरी निराशा खुलकर सामने आ रही है, तो राजस्थान में भाजपा की सरकार के खिलाफ आम जनता में बुरी तरह से ठगे जाने का एहसास साफ देखा जा सकता है। बेशक, इन भाजपायी राज्य सरकारों से जनता की नाराजगी इस बात से और बढ़ गई है।

सतीश पेडणोकर

कहना न होगा कि इन तमाम बढ़ते रहस्योद्घाटनों के साथ अभी ऐसे और रहस्योद्घाटन आने वाले दिनों में बढ़ते ही जाने हैं, बढ़ते घेराव में नरेन्द्र मोदी-अमित शाह की भाजपा और आरएसएस द्वारा हिन्दुत्व और नकारात्मक प्रचार का ही ज्यादा से ज्यादा सहारा लिया जा रहा होगा। यह उनके बुनियादी आधार को तो जरूर बचाएगा। लेकिन पक्की संभावना है कि चुनाव में उनकी हार का ही रास्ता तैयार करेगा। भाजपा और मोदी सरकार के साढ़े चार साल के प्रदर्शन के साथ-साथ जिन तीन राज्यों में भाजपा खुद सत्ता में रही है, वहां राज्य सरकारों के प्रदर्शन पर भी बहस से भागने की पूरी कर रही है, और हिन्दुत्व की दुहाई से जुड़े भावनात्मक मुद्दों के सहारे ही चुनाव की वैतरणी पार करने की कोशिश कर रही है। बेशक, इसका काफी कुछ संबंध मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा राजस्थान में भाजपा की राज्य सरकारों की विफ लताओं से पैदा हुई जनता की नाराजगी से भी है।

अगर मध्य प्रदेश तथा छत्तीस गढ़ में भाजपा के डेढ़ दशक लंबे शासन से जनता की गहरी निराशा खुलकर सामने आ रही है, तो राजस्थान में भाजपा की सरकार के खिलाफ आम जनता में बुरी तरह से ठगे जाने का एहसास साफ देखा जा सकता है। बेशक, इन भाजपायी राज्य सरकारों से जनता की नाराजगी इस बात से और बढ़ गई है कि केंद्र में भी सत्ता हाथ में होने के बावजूद भाजपा रोजगार से लेकर महिलाओं और दलितों की सुरक्षा तक विभिन्न महत्त्वपूर्ण मोर्चों पर आम जनता से किए गए वादे पूरे करने में न केवल विफल रही है, बल्कि केंद्र में सत्ता में आने के बाद से उसने सारे परदे उतार कर संविधान, जनतंत्र तथा धर्मनिरपेक्षता विरोधी अपनी करतूतों को खुल्लमखुल्ला और आगे बढ़ाया है। लेकिन इसे नरेन्द्र मोदी का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि उनकी सरकार की भारी विफलताओं के साथ ही अब एक के बाद एक सामने आ रहे घोटालों ने उनकी सबसे बढ़कर कॉरपोरेट मीडिया-पीआर के सहारे गढ़ी गई छवि को गंभीर चोट पहुंचाना शुरू कर दिया है, जबकि यही छवि उनका सबसे बड़ा हथियार रहा है। मिसाल के तौर पर रफाल के संबंध में हर रोज आ रहे नये-नये रहस्योद्घाटनों के अलावा पिछले एक हफ्ते में ही कम-से-कम तीन ऐसे खुलासे हुए हैं, जिन्होंने मोदी सरकार और भाजपा की नीयत पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इनमें से पहले दो रहस्योद्घाटन मोदी सरकार की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को अपना राजनीतिक हथियार बनाने की नंगी कोशिशों के चलते गहरे संकट में धकेल दी गई इस जांच एजेंसी के सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचे अंदरूनी झगड़े के क्रम में ही सामने आए हैं। पहला रहस्योद्घाटन, जो मोदी सरकार द्वारा विपक्षी नेताओं के खिलाफ सीबीआई का अंधाधुंध दुरुपयोग किए जाने की आम आशंकाओं की ही पुष्टि करता है, यह है कि प्रधानमंत्री कार्यालय और बिहार सरकार के भाजपाई उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी की ओर से और नीतीश कुमार की जानकारी में सीबीआई पर इस बात के लिए दबाव डाला रहा था कि किसी तरह आईआरटीसी प्रकरण में लालू प्रसाद यादव के परिवार को गिरफ्तार कर लिया जाए। यह सब इस तय के बावजूद था कि सीबीआई के कानून विशेषज्ञों ने साक्ष्यों के अभाव में ऐसा नहीं करने की ही सलाह दी थी। बाद में मोदी के चहेते सीबीआईके डिप्टी डायरेक्टर राकेश अस्थाना ने लालू प्रसाद के गिरफ्तार न किए जाने को सीबीआई डायरेक्टर आलोक वर्मा के खिलाफ सीवीसी से अपनी शिकायत का हिस्सा भी बनाया था। दूसरा इससे भी विस्फोटक रहस्योद्घाटन सीबीआई के झगड़े में मोदी सरकार के पक्षपातपूर्ण हस्तक्षेप के हिस्से के तौर पर तबादला कर वनवास में भेजे गए सीबीआई के डीआईजी मनीष कुमार सिन्हा ने अपने तबादले के खिलाफसुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका में किया है। मोदी सरकार के कृपापात्र सीबीआई के डिप्टी डायरेक्टर राकेश अस्थाना के खिलाफमोईन कुरैशी प्रकरण में घूसखोरी के आरोपों की जांच से जुड़े रहे मनीष कुमार सिन्हा ने अपनी याचिका में इसकी जानकारी दी है कि किस तरह केंद्रीय कोयला एवं खदान मंत्री हरिभाई पृवी भाई चौधरी ने मोईन कुरैशी प्रकरण को दबाने के लिए एक बिचौलिये के माध्यम से दो करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी थी।

इसके साथ ही उन्होंने इसका भी विवरण दिया है कि किस तरह से प्रधानमंत्री कार्यालय के उच्चाधिकारियों, सीवीसी तथा एनएसए अजीत डोवाल की इस प्रकरण में संलिप्तता थी और खास तौर पर अजीत डोवाल ने उक्त प्रकरण में राकेश अस्थाना के खिलाफ जांच को विफल करने के लिए सीधे हस्तक्षेप किया था। याद रहे कि सीबीआई के मामले में सरकार के आधी रात के ऑपरेशन की अगुआई खुद अजीत डोवाल ही कर रहे थे। इस तरह, रफाल प्रकरण की ही तरह सीबीआई प्रकरण की आंच भी प्रधानमंत्री के चहेतों से होते हुए सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय तथा खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक पहुंच रही है।तीसरा बड़ा रहस्योद्घाटन 2005 के नवम्बर की सोहराबुद्दीन शेख फर्जी मुठभेड़ हत्या के प्रकरण में उस समय सीबीआई के गांधीनगर के एसपी तथा उस प्रकरण के मुख्य जांच अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने मुंबई की सीबीआई अदालत में अपनी गवाही में यह दोहरा कर किया कि उनकी जांच के अनुसार गुजरात के तत्कालीन गृह मंत्री अमित शाह को इस हत्या से राजनीतिक और आर्थिक लाभ हुआ था। अमित शाह के अलावा एंटी-टैररिज्म स्क्वायड के तत्कालीन डीआईजी डीजी वंजारा, उदयपुर के तत्कालीन एसपी दिनेश एम एन, अहमदाबाद के तत्कालीन एसपी राजकुमार पांडियन तथा अहमदाबाद के तत्कालीन डीसीपी अभय चुडास्मा को भी इस हत्या से राजनीतिक लाभ हुआ था। अमिताभ ठाकुर की गवाही के अनुसार इस हत्या से अमित शाह ने अहमदाबाद के पॉप्युलर बिल्डर्स के मालिकान पटेल बंधुओं से 70 लाख रुपये वसूल किए थे और डीआईजी वंजारा ने 60 लाख रुपये। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि इस फर्जी मुठभेड़ में, जिसमें कौसर बी और तुलसीराम प्रजापति की भी हत्या कर दी गई थी, मुख्य जांच अधिकारी के अनुसार अमित शाह समेत जो मुख्य आरोपी थे, उन सभी को अदालत के जरिए संदिग्ध तरीके से बरी कराया जा चुका है, जबकि निचले स्तर के जिन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अब भी सुनवाई हो रही है, उनकी मुख्य जांच अधिकारी के अनुसार इस हत्याकांड में कोई खास स्वतंत्र भूमिका नहीं थी। कहना न होगा कि इन तमाम बढ़ते रहस्योद्घाटनों के साथ अभी ऐसे और रहस्योद्घाटन आने वाले दिनों में बढ़ते ही जाने हैं, बढ़ते घेराव में नरेन्द्र मोदी-अमित शाह की भाजपा और आरएसएस द्वारा हिन्दुत्व और नकारात्मक प्रचार का ही ज्यादा से ज्यादा सहारा लिया जा रहा होगा। यह उनके बुनियादी आधार को तो जरूर बचाएगा लेकिन इतना पक्का है कि चुनाव में उनकी हार का ही रास्ता तैयार करेगा।

चलते चलते

क्रूरता की नई परिभाषा

बरबरता और क्रूरता की नई परिभाषा बने गए इन नामों को नरपिशाच कहें तो ज्यादा बेहतर होगा। बीते 12 नवम्बर को गुरु ग्राम के रहने वाले एक सीरियल किलर को झांसी में पकड़ा गया, जिसकी अमानवीयता का विवरण सिहरन पैदा करने वाला है। करीब तीन सप्ताह तक चले अभियान, जिसमें 1200 पुलिसकर्मी शामिल थे।

मन राघव, ऑटो शंकर, साइनाइड मोहन, सुरिंदर कोली, स्टोन मैन, बीयर मैन इन सभी नामों में एक समानता है। ये सभी अपने समय के नामी सीरियल किलर रहे हैं। बरबरता और क्रूरता की नई परिभाषा बने गए इन नामों को नरपिशाच कहें तो ज्यादा बेहतर होगा। बीते 12 नवम्बर को गुरु ग्राम के रहने वाले एक सीरियल किलर को झांसी में पकड़ा गया, जिसकी अमानवीयता का विवरण सिहरन पैदा करने वाला है। करीब तीन सप्ताह तक चले अभियान, जिसमें 1200 पुलिसकर्मी शामिल थे दिल्ली और ग्वालियर में खाक छानने के बाद झांसी से अपनी पकड़ में लिया। मात्र 20 साल के इस अपराधी पर गुरु ग्राम में 3 बच्चियों की निर्ममतापूर्वक बलात्कार और हत्या का आरोप है। पहली वारदात 2016 और दूसरी 2017 में अंजाम दिया था। कामुक मनोवृत्ति से ग्रस्त सुनील नाम के इस अपराधी के निशाने पर झुग्गी झोपड़ी की बच्चियां रहती थीं, जिन्हें वह चॉकलेट, बिस्कुट का लालच देकर उनका यौन उत्पीड़न करता था। गुरु ग्राम में 3 वारदातों के अलावा दिल्ली में 4, ग्वालियर और झांसी में भी एक मासूम को निशाना बनाने की बात कबूली है। जांच के बाद चीजें और भी स्पष्ट होंगी। इस जांच में यह जानकारी अहम होगी कि सुनील में यह मनोवृत्ति क्यों और कैसे विकिसत हुई। चूंकि उसकी उम्र बहुत ज्यादा नहीं है, यह जानकारी संभावित अपराधों को रोकने और समझने में मददगार होगी। ऐसे अपराधियों के साथ चुनौती यह होती है कि इनका न तो कोई उद्देश्य होत है न कोई ठौर-ठिकाना। मनोरोग जिसका संबंध इस मामले से भी है, को लेकर भारत का समाज बहुत गंभीर नहीं रहा है। जानकारी होने के बाद भी लोगों में इसके इलाज को लेकर हिचक रहते हैं। समय के साथ यही हिचक इस बीमारी को विस्तार देती है।

विश्व स्वास्य संगठन के अनुसार भारत में एक चौथाई लोग किसी न किसी प्रकार के मनोरोग से ग्रस्त हैं, जिसमें 50 फीसद लोग 14 साल की उम्र से ही इसकी चपेट में हैं। सुनील के बहाने ही सही मानसिक रोगों पर व्यापक बहस और जागरूकता छेड़ने की दरकार है। अकेले होते समाज में इस प्रकार की घटनाएं ''अलार्मिंग वेल' की तरह हैं।

सत्संग

समर्पित

रिश्तों को कम करके आंकने की कोशिश नहीं कर रहा हूं, मगर उनकी सीमाओं को जानने में कोई बुराई नहीं है। घटना राजस्थान की है। एक राजा थे जिनकी युवा पत्नी उनसे बेहद प्रेम करती थी। मगर राजाओं की हमेशा ढेर सारी पत्नियां होती थीं। इसलिए जिस तरह रानी उनके ध्यान में पूरी तरह डूबी रहती थी, उसे यह काफी मूर्खतापूर्ण लगता था। वह उसे थोड़ा दूर करके बाकी रानियों के साथ समय बिताता था, लेकिन वह स्त्री उसके लिए पूर्ण रूप से समर्पित थी। राजा और रानी के पास बोलने वाली दो मैना थीं। मैना ऐसी चिड़िया होती है, जो ट्रेनिंग देने पर तोते से बेहतर बोल सकती है। एक दिन इनमें से एक चिड़िया मर गई तो दूसरी ने खाना-पीना छोड़ दिया और चुपचाप बैठी रही। राजा ने उसे खिलाने की हर संभव कोशिश की मगर सफल नहीं हुआ और वह चिड़िया दो दिन में मर गई। इस बात ने राजा को काफी प्रभावित किया। ''यह क्या है? किसी भी जीव के लिए पहले अपने जीवन को महत्त्व देना स्वाभाविक है। मगर यह चिड़िया बैठी रही और मर गई।' यह कहने पर उसकी पत्नी ने कहा, ''जब कोई वास्तव में किसी से प्रेम करता है, तो दूसरे के साथ मर जाना उसके लिए स्वाभाविक है क्योंकि उसके बाद उसके लिए अपने जीवन का कोई अर्थ नहीं रह जाता।' राजा ने मजाक में पूछा, ''क्या तुम भी मुझसे इतना प्रेम करती हो?' वह बोली, ''हां, मेरे साथ भी ऐसा ही है।' राजा यह सुनकर बहुत खुश हुआ। एक दिन राजा दोस्तों के साथ शिकार खेलने गया। उसके दिमाग में चिड़ियों के मरने और पत्नी की यह बात घूम रही थी कि उसके लिए भी यह सच है। वह इसे जांचकर देखना चाहता था। इसलिए उसने अपने कपड़े लेकर उस पर खून लगाकर एक सिपाही के हाथों महल भिजवा दिया। उसने घोषणा कर दी, ''राजा पर एक बाघ ने हमला कर दिया और उन्हें मार डाला।' रानी ने अपनी आंखों में आंसू लाए बिना बहुत गरिमा के साथ उनके कपड़े लिए, लकड़ियां इकट्ठी कीं, उनके ऊपर उन कपड़ों को रखा और फिर खुद उस पर लेटकर मर गई। लोगों को विास नहीं हो रहा था। कुछ और करने को नहीं था क्योंकि वह मर चुकी थी, इसलिए उन्होंने उसका अंतिम संस्कार कर दिया। जब यह खबर राजा को मिली तो वह दुख में डूब गया। उसने सिर्फएक सनक में आकर उसके साथ मजाक किया और वह वास्तव में मर गई। उसने आत्महत्या नहीं की, वह बस यूं ही मर गई।

फोटोग्राफी...

फ्लैमिंगो पक्षी। *मुंबई में बृहस्पतिवार को हजारों की संख्या में पहुंचे फ्लैमिंगो पक्षी।*

स्वर्णिम अतीत

करीब सौ साल पहले शेर-बाघ-तेंदुए इस पृवी के शक्तिशाली जानवरों में से एक थे। अब वे उस स्वर्णिम अतीत की छाया भी नहीं रह गए हैं। इंसानों ने कंक्रीट की ऐसी चारदीवारी जंगलों के चारों ओर खड़ी कर दी है कि रहे-बचे असली वनों में सिमटे इस शानदार जानवर का खाना-पीना तक दुश्वार हो गया है। पर उसकी ताकत से हम अब भी खौफजदा हैं। महाराष्ट्र में आदमखोर बताकर मारी गई बाघिन अवनि का मामला कुछ ऐसा ही है। पर्यावरण मंत्री मेनका गांधी ने उसे राज्य के वनमंत्री के इशारे पर निर्दयतापूर्वक की गई हत्या तक कहा है। ओडिशा में भी सतकोसिया टाइगर रिजर्व में एमबी-2 यानी महावीर नामक बाघ को भी आदमखोर बता कर मारा गया है। ऐसी ही एक घटना यूपी के पीलीभीत जिले के दुधवा टाइगर रिजर्व से सटे इलाके में हुई। वहां गुस्साए ग्रामीणों ने एक व्यक्ति की मौत के बाद एक बाघ को ट्रैक्टर से कुचलकर मार डाला।

दो साल पहले ऐसा ही एक किस्सा देश की राजधानी दिल्ली से सटे औद्योगिक शहर गुरु ग्राम में घटित हुआ था। तब वहां एक तेंदुए के उत्पात और फिर उसे ग्रामीणों द्वारा पीट-पीटकर मार डालने की घटना ने पूरे देश में बाघ-तेंदुओं की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाया था। ये गिनी-चुनी घटनाएं नहीं हैं। जंगलों से निकलकर शहरों और कस्बों में बिल्ली प्रजाति के इस सबसे बड़े जंगली जीव की घुसपैठ के अनिगनत किस्से अखबारों में तकरीबन रोज ही छाए रहते हैं। सवाल है कि आखिर उनके सामने जंगल से बाहर निकलने और इंसानी आबादी पर धावा मारने की ऐसी क्या मजबूरी आ पड़ी है? अभयारण्यों और चिड़ियाघरों में शेर-तेंदुए अब भी दिख जाते हैं। साथ ही, बेहिसाब शहरीकरण और कटते जंगलों के कारण क्षुब्ध वनराज (बाघ और तेंदुए) कभी-कभार मानव आबादी के बीचोंबीच भी आ ठिठकते हैं। हालांकि मनुष्य और बाघ के बीच अस्तित्व की वैसी लड़ाई के किस्से अब कहीं सुनाई नहीं पड़ते, जो हमारी प्राचीन लोककथाओं में भरे पड़े हैं। पर हाल के वर्षो में हुए हादसों ने एक बार फिर यह सवाल उठा दिया है कि शेर-तेंदुओं को खतरा हम इंसानों से है या वे खुद खतरे में हैं।

चार साल पहले 2014 तो यूपी में आदमखोर बाघिन के शिकार को निकले एक विधायक के कारनामों के चर्चे थे तो बाद में इसी राज्य के औद्योगिक शहर मेरठ में तेंदुए के उत्पात के भी काफी समाचार थे। तराई के इलाकों में तो बाघ के आदमखोर हो जाने और वहां के माहौल में खौफ पैदा हो जाने की घटनाओं की बारम्बारता इधर कुछ वर्षो में काफी बढ़ी है। शहरों में बाघ-तेंदुए का घुस आना सच में अचरज की बात है।

मेरठ भी उत्तराखंड के राजाजी राष्ट्रीय वन्यजीव अभयारण्य से ज्यादा दूर नहीं है। यही हाल देश के दूसरे शहरी इलाकों का है। अंधाधुंध तरीके से जंगलों को काटा जाना एक बड़ा कारण तो है, पर संरक्षित वनों के इर्दगिर्द तेजी से बसती मानव आबादियां भी जंगलों पर दबाव बना रही हैं। बाघ-तेंदुए की तरह शेरों का जीवन भी संकट में है। गुजरात का गिर शेरों के अभयारण्य के लिए जाना जाता है। सच्चाई यह है कि जंगलों में इंसानी दखल लगातार बढ़ रहा है। देश में कई जगहों पर जंगलों के बीच सड़कें और रेल पटिरयां मौजूद (मिसाल के तौर पर उत्तराखंड के राजाजी राष्ट्रीय वन्यजीव अभयारण्य में) हैं जिन पर चौबीसों घंटे वाहनों का आवागमन और चिल्लपौं वन्यजीवों की जिंदगी में खलल डाल रहा है। कई स्थानों पर जंगलों के बीच होने वाले खनन की गतिविधियों ने भी जंगली जीवों का चैन छीन लिया है।

सार समाचार

पश्चिमोत्तर पाकिस्तान में विस्फोट, 25 लोगों की मौत, 35 घायल

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में भीड़भाड़ वाले बाजार में मदरसे के पास शुक्रवार को हुए शक्तिशाली बम धमाके में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई जबकि 35 से ज्यादा लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि कबीलाई जिले औरकजई जिले के कलाया इलाके में जुमा बाजार में यह विस्फोट हुआ। जियो न्यूज ने जिला प्रशासन के अधिकारियों के हवाले से बताया कि विस्फोट में कम से कम 25 लोगों की मौत हुई है जबकि 35 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ितों में से ज्यादातर अल्पसंख्यक शिया मुसलमान हैं। इलाके को घेर लिया गया है और मामले की जांच चल रही है। हालात से निपटने के लिए क्षेत्र के अस्पतालों में आपात स्थिति की घोषणा की गई है। मदरसे के सामने विस्फोट और कराची में चीनी वाणिज्य दूतावास के बाहर हुए हमले के बाद प्रांत की पुलिस सतर्क हो गई है।

कराची में चीनी वाणिज्य दूतावास के निकट गोलीबारी, दो की मौत

कराची। पाकिस्तान में कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने कराची स्थित चीनी वाणिज्य दूतावास के निकट गोलियां चलाईं, जिसमें दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। डॉन समाचारपत्र की खबर के मुताबिक क्लिफटन इलाके में एक धमाके की भी आवाज सुनी गई, जिसकी प्रकृति के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिली है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस गोलीबारी में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। खबर में बताया गया कि अभियान अब भी जारी है। गोलीबारी के बाद पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों की बड़ी टुकड़ियों की इलाके में तैनाती की गई है। रेड जोन माने जाने वाले इस क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं।

चीन: बीवी से झगड़ा करने के बाद सनकी पति ने बच्चों पर चढ़ा दी गाड़ी, 5 की मौत

बीजिंग- चीन में एक व्यक्ति ने बीवी से झगड़े के बाद स्कूली बच्चों पर गाड़ी चढ़ा दी. इस घटना में पांच बच्चों की मौत हो गई और 16 बच्चों सहित 19 लोग घायल हो गए. शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने पुलिस के हवाले से शुक्रवार को इस घटना की खबर दी. बताया जा रहा है कि गुरुवार को हुई इस घटना में पांच स्कूली बच्चों की मौत हो गई और 16 बच्चों सहित 19 लोग घायल हो गए. घायलों में दो शिक्षक और एक राहगीर भी शामिल है. घायलों में तीन की हालत गंभीर है.

आत्महत्या करने की सोच रहा था हमलावर

शिन्हुआ ने बताया कि हमलावर चालक लियोनिंग प्रांत का निवासी है. अपनी पत्नी से झगड़े की वजह से वह आत्महत्या करने के बारे में सोच रहा था, लेकिन अचानक से उसने अपनी कार स्कूली बच्चों पर चढ़ा दी. समाचार एजेंसी ने बताया कि हुलुदाओ शहर में कार चला रहे आरोपी ने बच्चों को अचानक से निशाना बनाया. इसने कहा कि चालक ने अचानक से कार को विपरीत दिशा में मोड़ा और इसे सड़क पार कर रहे स्कूली बच्चों पर चढ़ा दिया. सरकार संचालित मीडिया ने कहा कि यह घटना एक प्राथमिक विद्यालय के पास हुई.

एनएसए डोभाल शनिवार को चीन के विदेशमंत्री वांग के साथ करेंगे 21वें दौर की सीमा वार्ता

बीजिंग (एजेंसी)।

चीनी विदेशमंत्री वांग यी के साथ सीमा वार्ता के 21वें दौर के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल शुक्रवार को चीन पहुंचे. इस दौरान दोनों वुहान में अप्रैल में हुए शिखर सम्मेलन के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति की समीक्षा भी करेंगे. डोभाल और वांग चीन के सिचुआन प्रांत के खूबसूरत दुजियांगयान सिटी में शनिवार को मुलाकात करेंगे. दोनों भारत और चीन के बीच सीमा वार्ता के लिए विशेष प्रतिनिधि हैं. इससे पहले वांग ने यांग जिएची से स्टेट काउंसिलर की जिम्मेदारी ली थी. चीन सरकार के पदानुक्रम में स्टेट काउंसिलर का पद विदेश मंत्री से ऊपर होता है.

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने 21 नवंबर को दोनों देशों के बीच के रिश्ते की सुंदर तस्वीर पेश करते हुए कहा, 'हमने वार्ता और संपर्क के माध्यम से अपने मतभेद का प्रबंध उचित रूप से किया. कुल मिला कर सीमा के इलाकों में स्थिरता रही.' वुहान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच पहली 'अनौपचारिक शिखर बैठक' के बाद दोनों देशों ने व्यापार अधिकारियों के बीच संवाद शुरू किया है ताकि चीन-भारत कारोबार में 51 अरब डालर की भरपाई के लिए चीन को भारतीय निर्यात में इजाफा किया जा सके.

अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद से भारत से चीन को चावल, चीनी और दवाओं के निर्यात में इजाफे की दिशा में प्रगति हुई है. उम्मीद की जा रही है कि शनिवार को होने वाली वार्ता में इसकी समीक्षा की जाएगी. भारत-चीन सीमा विवाद के दायरे में दोनों देशों के बीच की 3488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा आती है. चीन अरूणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का एक हिस्सा बताता है. सीमा वार्ता का पिछला दौर नई दिल्ली में डोभाल और यांग के बीच हुआ था. यह वार्ता डोकलाम पर 73 दिन चली तनातनी की पृष्ठभूमि में हुआ था. इसका समापन तब हुआ जब जन मुक्ति सेना ने वहां सड़क बनाने की अपनी योजना बंद की.

स्वराज ने की लाओस के विदेश मंत्री कोम्मासिथ के साथ द्विपक्षीय बातचीत

विएनतियान (एजेंसी)।

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने शुक्रवार को लाओस के अपने समकक्ष सालेमएक्से कोम्मासिथ से मुलाकात कर द्विपक्षीय बातचीत की। दोनों के बीच रक्षा, व्यापार, ऊर्जा और कृषि क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई। स्वराज दो दिन की लाओस की यात्रा पर हैं। वह यहां कोम्मासिथ के साथ नौंवी 'संयुक्त आयोग की बैठक' में हिस्सा लेंगी। दोनों नेता संबंधों और साझेदारी को और मजबूत करने की रुपरेखा पर बातचीत करेंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा कि दोनों मंत्रियों के बीच कृषि, व्यापार और निवेश, रक्षा, शिक्षा, संस्कृति, सूचना प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और खनन क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को व्यापक चर्चा हुई। उन्होंने ट्वीट किया कि दोनों नेताओं की बैठक के दौरान हुई बातचीत काफी रचनात्मक रही। कुमार ने कहा, ''स्वराज ने लाओस में विकास की जरूरतें पूरा करने के लिए भारत के अनुभव और विशेषज्ञता को साझा करने का प्रस्ताव दिया। साथ ही 25 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा देने का भी प्रस्ताव किया।'' बृहस्पतिवार को स्वराज ने यहां भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। अपनी दो दिन की यात्रा के दौरान स्वराज लाओस के प्रधानमंत्री थॉन्गलोन सिसोलिथ से भी मुलाकात करेंगी।

हिलेरी क्लिंटन निजी सर्वर मामला: कांग्रेस के सामने पेश होंगे कोमी और लिंच

वाशिंगटन (एजेंसी)।

एफबीआई के पूर्व निदेशक जेम्स कोमी और पूर्वी अटॉर्नी जनरल लॉरेटा लिंच को अगले महीने हिलेरी क्लिंटन ई-मेल मामले की जांच से जुड़े केस में कांग्रेस के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। कोमी 3 दिसंबर और लिंच 4 दिसंबर को गवाही के लिए पेश हो सकती हैं।

कोमी ने गुरुवार को इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्हें कांग्रेस की न्यायिक कमेटी की ओर से समन मिला है। हालांकि, कोमी ने साफ किया कि वो बंद कमरे में सवालों के जवाब नहीं देंगे। कोमी ने कहा, ÷मैं बंद कमरे में सवालों के जवाब नहीं दूंगा क्योंकि मैं काफी रहस्योद्घाटनों और तोड़-मरोड़कर पेश की गई बातों का सामना कर चुका हूं। सुनवाई होने दीजिए और हर किसी को इसे देखने के लिए आमंत्रित कीजिए।÷ पूर्व अटॉर्नी जनरल लॉरेटा लिंच ने इस मुद्दे पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार कोमी और लिंच पर हिलेरी क्लिंटन को निजी सर्वर मामले में बचाने का आरोप लगा चुके हैं। हिलेरी पर बराक ओबामा सरकार में विदेश मंत्री रहते हुए ई-मेल के लिए निजी सर्वर के इस्तेमाल का आरोप लगा है।

कराची में चीनी दूतावास के पास हुए आतंकी हमले की भारत ने की निंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कराची स्थित चीनी वाणिज्य दूतावास के पास हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए बीजेपी ने शुक्रवार को कहा कि आतंकवाद के किसी भी कृत्य को कभी भी उचित नहीं ठहराया जा सकता है. विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि शुक्रवार सुबह कराची में चीनी वाणिज्य दूतावास के पास हुए आतंकी हमले की भारत कड़ी निंदा करता है और इस जघन्य हमले में लोगों की मौत पर शोक प्रकट करते हैं. उन्होंने कहा, ''आतंकवाद के किसी भी कृत्य को कभी भी उचित नहीं ठहराया जा सकता है. इस जघन्य हमले को अंजाम देने वालों को न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाना चाहिए.'' मंत्रालय ने कहा कि ऐसे आतंकी हमले अंतराष्ट्रीय समुदाय को आतंकवाद के सभी स्वरूपों से मुकाबला करने के संकल्प को मजबूत बनाते हैं. उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने कराची स्थित चीनी वाणिज्य दूतावास के निकट गोलियां चलाईं, जिसमें दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई. डॉन समाचारपत्र की खबर के मुताबिक, क्लिफटन इलाके में एक धमाके की भी आवाज सुनी गई, जिसकी प्रकृति के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिली है. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस गोलीबारी में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई.

खशोगी की हत्या मामले में ट्रंप का बड़ा बायान, कहा- इसके लिए दुनिया जिम्मेदार

वाशिंगटन (एजेंसी)।

पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के लिए सऊदी अरब के शाही परिवार को जिम्मेदार ठहराने के मामले में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, ''इसके लिए संभवत- दुनिया को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए क्योंकि दुनिया बहुत ही खराब हो गई है। दुनिया बहुत, बहुत खराब जगह है।''

सऊदी अरब के शाह सलमान और वली अहद मोहम्मद बिन-सलमान द्वारा खशोगी की हत्या में कोई हाथ नहीं होने की बात कहे जाने के बाद ट्रंप ने कहा कि वह इस बात से इत्तेफाक नहीं रखते हैं कि अमेरिकी खुफिया विभाग इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या का आदेश सऊदी अरब के वली अहद ने दिया।

अमेरिकी कांग्रेस और अन्य देशों के शीर्ष पदाधिकारी ट्रंप पर लगातार मानवाधिकारों के उल्लंघन को नजरअंदाज करने और आर्थिक कारणों से सऊदी अरब के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगा रहे हैं। ट्रंप ने इस सप्ताह कहा कि वह इस्तांबुल स्थित सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में वाशिंगटन पोस्ट के पत्रकार जमाल खशोगी की दो अक्टूबर को हुई हत्या के संबंध में वह सऊदी अरब के वली अहद मोहम्मद बिन सलमान के लिये कोई कठोर दंड तय नहीं करेंगे। थैंक्स गिविंग के लिए सैनिकों के साथ फोन पर बातचीत करने के बाद ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, ''मेरी नीति बहुत सरल है..अमेरिका पहले, अमेरिका को फिर से महान बनाना और मैं यही कर रहा हूं।'' ट्रंप ने कहा कि वली अहद और उनके पिता शाह सलमान का कहना है कि उन्होंने यह काम नहीं किया है। उन्होंने कहा, ''यह बेहद खराब है। आपकी तुलना में मैं इसे ज्यादा नापसंद करता हूं। लेकिन तथ्य यह है कि.... वे बहुत धन सृजन करते हैं, अपनी खरीदी के कारण वे बहुत नौकरियां पैदा करते हैं, वे कच्चे तेल की कीमत कम रखते हैं।''

इस मामले से जुड़े एक अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, अमेरिकी खुफिया एजेंसियां इस निष्कर्ष पर पहुंची हैं कि वली अहद ने तुर्की स्थित सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास के भीतर खशोगी की हत्या का आदेश दिया था। अधिकारी को इस संबंध में मीडिया से बातचीत करने की अनुमति नहीं है, इसलिए उसने पहचान गुप्त रखने की शर्त पर यह जानकारी दी।

कभी जिस लड़की को पढ़ाई पर मिले थे ताने, उसने आतंकियों से भिड़कर बचाई लोगों की जान

कराच (एजेंसी)।

कराची पुलिस की एक निर्भीक महिला अधिकारी ने शुक्रवार को कई चीनी राजनियकों को जान बचा ली जब हथियारों से लैस आतंकवादियों ने चीन के वाणिज्य दूतावास पर हमला किया. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुहाए अजीज तालपुर ने उस सुरक्षा अभियान का नेतृत्व किया जिसने कराची में बलोच लिब्रेशन आर्मी के सदस्यों के इस दुस्साहसिक हमले को नाकाम कर दिया. सुहाए ने सुनिश्चित किया कि नौ हथगोलों, असॉल्ट राइफलों, मैगजीनों और विस्फोटकों से लैस आतंकवादी दूतावास की इमारत के भीतर मौजूद राजनयिकों तक न पहुंच पाएं.

2013 में पुलिस बल में हुईं शामिल

पुलिस ने बताया कि आतंकवादियों के पास खाद्य सामग्रियां एवं दवाइयां भी थीं जिससे लगता है कि वह उन्हें बंधक बनाने की फिराक में थे. लेकिन जैसे ही वह दूतावास के द्वार तक पहुंचे पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई की. गोलीबारी में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई लेकिन सभी हमलावर मारे गए. एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के मुताबिक सुहाए सिंध प्रांत के तंडो मुहम्मद खान जिले के भाई खान तालपुर गांव के एक मध्यम वर्गीय परिवार से आती हैं. 2013 में सेंट्रल सुपरियर सर्विसेज एग्जाम पास करने के बाद वह पुलिस बल में शामिल हुई थीं.

परिवार को समाज के ताने के चलते छोड़ना पड़ा था गांव

उन्हें पढ़ाने को लेकर उनके रिश्तेदारों ने उनके परिवार को इतने ताने मारे थे कि उनके परिवार को गांव छोड़ कर दूसरे कस्बे में जाकर बसना पड़ा. उनके पिता अजीज तालपुर एक राजनीतिक कार्यकर्ता एवं लेखक थे और उन्होंने अपनी बेटी के लिए बड़े सपने देखे थे.

पाकिस्तान खुलकर दे रहा 'खालिस्तान' की मांग को हवा, ये रहे सबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एकबार फिर से खालिस्तानी आतंकी संगठन सक्रिय हो रहे हैं. पिछले दिनों इंटेलिजेंस रिपोर्ट में कहा गया था कि खालिस्तान समर्थक आतंकी भारत में बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में हैं. रिपोर्ट में कहा गया कि खालिस्तानी आतंकी संगठन ने,श्व में अपना नया बेस बनाया है. दूसरी तरफ पाकिस्तान भी खालिस्तानी आतंकी संगठन को परोक्ष रूप से मदद कर रहा है.

पाकिस्तान स्थित पंजाब के ननकाना साहिब जिले में खालिस्तान समर्थक आतंकी संगठनों द्वारा प्रदर्शन किया गया. प्रदर्शन कर रहे आतंकी संगठनों के हाथ में जो बैनर थे उसपर 2020 में जनमत संग्रह की मांग की गई थी. इससे पहले भी पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में इस तरह के प्रदर्शन होते रहे हैं, जिससे साफ होता है कि खालिस्तानी आतंकी संगठनों को समर्थन देकर पाकिस्तान भारत में अशांति फैलाने की खतरनाक साजिश रच रहा है.

पिछले दिनों जांच एजेंसी ह्ढ्ढ की रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि पाकिस्तान खालिस्तान समर्थकों को मदद कर रहा है. सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ खालिस्तान समर्थकों को कई तरह से मदद कर रहा है. साथ ही यह भी आश्वासन दे रहा है कि वह अगर भारत के खिलाफ किसी वारदात को अंजाम देते हैं तो वे उनकी पूरी मदद करेंगे.

पंजाब में खालिस्तानी आतंकी का बहुत ही हिंसक इतिहास रहा है. खालिस्तान आतंकी संगठन पंजाबी भाषी भारतीयों के लिए अलग राज्य %खालिस्तान% की मांग करता आ रहा है. यह मांग 1980 के दशक में तेज हो गया था. जनरैल सिंह भिंडरावाला के नेतृत्व में यह आंदोलन हिंसक हो गया था. 1983 में ष्ठढ्ढत्र अवतार सिंह अटवाल की हत्या कर भिंडरावाला ने स्वर्ण मंदिर पर कब्जा कर लिया था. आखिरकार, भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के जरिए भिंडरावाला को मार गिराया और स्वर्ण मंदिर से खालिस्तानी आतंकियों का खात्म कर दिया गया.

पाकिस्तान भारत को अशांत करने के लिए आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा की भी मदद कर रहा है. खुफिया एजेंसियों के मुताबिक लश्कर-ए-तैयबा ने नेपाल में अपना बेस बना लिया है. सूत्रों का कहना है कि इस काम में पाकिस्तान हाई कमीशन लश्कर की मदद कर रहा है. पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई आतंकियों की बहाली में भी मदद कर रहा है. सूत्रों का कहना है कि आईएसआई ने एनजीओ बनाया है, जिसकी मदद से लश्कर सहित अन्य आतंकी संगठनों के लिए आतंकवादी बनाने के लिए युवाओं का सलेक्शन किया जाता है.

सूरत। गुरुवार को पुनम के अवसर पर जैन गुरुओ के चातुरमास पुरा हुआ आज से जैन गुरुओं को विहार शुरु।

सूरत। गुरुनानक जयंती के अवसर पर शहर भर में गुरुनानक जी की शोभायात्रा में भक्तों ने भाग लिया। जहां से गुरुनानक जी की शोभायात्रा निकाली गई भक्तों न रोड़ पर झाडु लगाई कर सफाई की।

सूरत। गुरुवार को तुलसी विवाह का आयोजन इस्कोनमाल जहांगीरपुरा में किया गया जिसमें भारी संख्या में भक्तों ने भाग लिया।

कक्षा ११-१२ कॉमर्स के कोर्स में जीएसटी शामिल

अहमदाबाद। केन्द्र सरकार द्वारा जीएसटी लागू करने के बाद इसमें कई प्रश्न उपस्थित हो रहे है। व्यापारी वर्ग भी जीएसटी के योग्य मार्गदर्शन के अभाव में दुविधा अनुभव कर रहे है। अब गुजरात राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा एक महत्व का निर्णय लिया गया है। जिसके अनुसार, अब आगामी शैक्षणिक वर्ष २०१९ से जीएसटी को कक्षा ११-१२ के कोर्स में शामिल करने का निर्णय किया गया है। इस तरह जीएसटी को शैक्षणिक कोर्स में शामिल करने वाला गुजरात पूरे देश में पहला राज्य बन जाएगा। जिसने शैक्षणिक कोर्स में जीएसटी को शामिल किया हो। देशभर में जीएसटी (गुड्ज एंड सर्विस टैक्स) लागू होने के बाद अब गुजरात शिक्षा विभाग ने इसे कोर्स में भी स्थान देने का निश्चित किया गया है। शुक्रवार को शिक्षा विभाग ने जीएसटी विषय को कोर्स में दाखिल करने की आधिकारिक घोषणा की है। जीएसटी को कोर्स में शामिल करने के लिए कुल ९ चार्टर्ड अकाउन्ट और वित्त विभाग के अधिकारियों का भी विचार लिया गया। अब वर्ष २०१९ से कक्षा ११और १२ कॉमर्स के विद्यार्थियों को कोर्स में जीएसटी माममले में भी पढ़ाया जाएगा। जीएसटी के जटिल कोर्स की थियरी के तौर पर कक्षा-११ और १२ कॉमर्स के अर्थशास्त्र विषय में शामिल किया गया है। जबकि प्रेक्टिकल के तौर पर अकाउन्ट विषय की पढ़ाई होगी। जीएसटी विषय को लेकर एक वर्ष से शिक्षा विभाग और पाठयपुस्तक मंडल मेहनत कर रहा है।

गुजरात एटीएस की बहुत बड़ी सफलता

ATS ने वापी से माओवादी को आखिर गिरफ्तार किया

माओवादी का नाम राजेश और मूल बिहार का : प्रशासन से नाराज होकर देशद्रोही गतिविधि में शामिल हुआ था

अहमदाबाद। गुजरात एटीएस द्वारा एक बहुत के ऑपरेशन में माओवादी संगठन बिहार के जिले के जोनल कमान्डर राजेश उर्फ गोपालप्रसाद की वापी से गिरफ्तारी की गई थी, जिसकी वजह से सनसनी मच गई थी। वापी में स्थित एक कारखाने में पिछले कई महीनों से नाम छिपाकर यह माओवादी नौकरी करता था। एटीएस की टीम ने आरोपी माओवादी राजेश उर्फ गोपालप्रसाद की गिरफ्तारी बाद आगे की पूछताछ शुरू की है। विशेष रूप से यह नक्सली सीआरपीएफ के १० जवानों की हत्या में शामिल होने से आगामी दिनों में जांच में चौंकानेवाला खुलासा सामने आये ऐसी पूरी संभावना है। गुजरात की एटीएस की टीम को मिली जानकारी के आधार पर वापी के एक कारखाने से बिहार के बहोर में गांव के निवासी राजेश उर्फ गोपालप्रसाद मोची की गिरफ्तारी की गई थी। आरोपी भारत कॉम्युनिष्ट पार्टी (माओवादी) के साथ जुड़े हुए हैं। २००२ में जब वह १७ वर्ष का था तब पारिवारिक जमीन की विवाद में स्थानीय प्रशासन से नाराज होकर माओवादी लोहासिंग और भोला मांजी के साथ संपर्क में आया था। उनकी मदद से विवाद का समाधान लाकर देशद्रोही गतिविधि में शामिल हुआ था। माओवादी संगठन को मजबूत बनाने के लिए कारोबारियों और ठेकेदारों के पास से फिरौती वसूल करता था।

जिसके कारण माओवादी संगठन के बिहार-झारखंड क्षेत्र के स्पेशियल एरिया कमिटी के इंचार्ज प्रद्युम्न शर्मा ने इसे जोनल कमान्डर बनाया था। २०१६ में राजेश, अनिल यादव, चंदन नेपाली सहित अन्य माओवादियों ने बिहार के जंगल क्षेत्र में एलईडी ब्लास्ट करके सीआरपीएफ के दस जवानों की हत्या की थी। मार्च २०१७ में गया के गुरपा जंगल में माओवादियों को गिरफ्तार करने गई सीआरपीएफ की कोब्रा बटालियन पर भी उन्होंने ऑटोमेटिक हथियारों से हमला किया गया था। जिसमें चार माओवादी मारे गये थे। यह मुठभेड़ में राजेश को हाथ में गोली लगने से वहां से फरार होकर अन्य जगह पर पहचान छिपाकर रहता था।

गुरु नानक जयंती के अवसर पर गुरुद्वारों में भीड़

देव दीपावली और पूर्णिमा को लेकर मंदिरों में भीड़

अहमदाबाद। शुक्रवार को देव दीपावली, कार्तिक पूर्णिमा और गुरु नानक जयंती तीनों एक साथ होने की वजह से शहर सहित राज्यभर के देवी-देवताओं के मंदिरों में शुक्रवार को भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। लाखों भक्तों ने आज के पवित्र दिन में देवी-देवताओं के दर्शन करने के लिए लोगों में हौड़ मच गई, देव दीपावली और पूर्णिमा को लेकर शहर के शाहीबाग केन्टोनमेन्ट क्षेत्र में स्थित प्राचीन कैम्प हनुमानजी मंदिर, थलतेज के प्रसिद्ध वैभव लक्ष्मी मंदिर सहित के मंदिरों में छप्पनभोग का विशेष अन्नकूट अर्पित किया गया। भक्तों में प्रसाद लेने के लिए हौड़ मच गई। दूसरी तरफ, शुक्रवार को गुरु नानक जयंती होने से शहर के थलतेज में गुरुद्वारा, सरसपुर, मणिनगर, रखियाल सहित के क्षेत्रों में स्थित गुरुद्वारा में सिख भक्त बड़ी संख्या में पहुंचे थे। गुरु नानक जयंती के अवसर पर गुरुद्वारों में भक्तों के लिए लंगर का विशेष आयोजन किया गया। शुक्रवार को कार्तिक पूर्णिमा, देव दीपावली और गुरु नानक जयंती तीनों एक साथ होने की वजह से सुबह से ही मंदिरों और गुरुद्वारों में भी भक्तों की भीड़ लग गई। शहर के कैम्प हनुमानजी मंदिर में शुक्रवार को सुबह में दस बजे हनुमानजी भगवान की देव दीपावली के अवसर पर विशेष महाआरती की गई थी। इसके बाद भगवान को छप्पनभोग का विशेष अन्नकूट अर्पित किया गया। अन्नकूट का यह प्रसाद श्रद्धालुओं को वितरण किया गया। शाम को ५.३० फिर से आरती और इसके बाद रात को ८ से १० बजे के दौरान विशेष सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इसी प्रकार से शहर के थलतेज क्षेत्र में श्री पंचदेव धार्मिक ट्रस्ट द्वारा संचालित प्रसिद्ध श्री वैभवलक्ष्मी मंदिर में देव दीपावली के अवसर पर माता को विशेष छप्पनभोग का अन्नकूट अर्पित किया गया। कार्तिक पूर्णिमा की देव दीपावली के दिन पिछले १९ वर्षों से श्री वैभव लक्ष्मी माता को छप्पनभोग का अन्नकूट अर्पित किया जाता है। शुक्रवार को देव दीपावली को लेकर वैभवलक्ष्मी माता को विशेष रूप से श्रृंगार किया गया। आज के पवित्र अवसर पर हजारों भक्त श्री वैभव लक्ष्मी माता के दर्शन करने के लिए पहुंचे थे।

म्युनि. स्वास्थ्य निष्क्रिय अवैध इकाई चल रहे है

अहमदाबाद। एक तरफ भारत सरकार और राज्य सरकार इट राइट इंडिया के अभियान के तहत स्वास्थ्यप्रद और क्वॉलिटीयुक्त भोजन करने का जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है तब दूसरी तरफ एएमसी प्रशासन की दया के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में वैध लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन बिना हजारों इकाई अवैध तरीके से चल रही है। विशेष करके शहर के पश्चिम क्षेत्र में तो, आवासीय क्षेत्रों में यहां तक कि, सोसाइटी में अवैध तरीके से चल रहा कॉमर्शियल इकाई हर जगह पर शुरू हो गई है। स्थानीय निवासी परेशान ऐसे कॉमर्शियल इकाई से प्रदूषण की गंभीर और खतरनाक स्थिति पैदा होने के बावजूद भी एएमसी का प्रशासन निष्क्रिय होकर बैठ गया होने का आरोप शहरीजन लगा रहे हैं। म्युनिसिपल स्वास्थ्य विभाग के यह घोटाले को लेकर नागरिकों में नाराजगी फैल गई है। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि, शहर में ५० फीसदी होटल-रेस्टोरेन्ट के पास प्रशासन के जरूरी वैध लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन नहीं है। गत ५ अगस्त, २०११ से पूरे देश में खाद्य वस्तुओं की बिक्री करते सभी प्रकार की इकाई के लिए फूड सेफ्टी एंड स्टान्डर्ड एक्ट-२००६ का लागू किया गया है। जिसके अनुसार, वार्षिक १२ लाख रुपये से ज्यादा टर्नओवर वाले व्यापारी के लिए हेल्थ लाइसेंस अनिवार्य है लेकिन शहर में सिर्फ १० फीसदी से भी कम इकाई के पास हेल्थ लाइसेंस है। इतना ही नहीं ५० फीसदी होटल-रेस्टोरेन्ट के पास प्रशासन के जरूरी वैध लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है। शहर में गेस्टहाउस, केटरींग, क्लब, केन्टीन, होलसेलर्स, पैकेजिंग जैसे कारोबारी सहित ५० हजार से ज्यादा इकाई चल रहे होने के बावजूद भी सिर्फ ९२९६ इकाई हेल्थ लाइसेंस है। दूसरी तरफ शहर के विभिन्न क्षेत्र में पिछले कई समय से आवासीय क्षेत्रों में विशेष करके आवास सोसाइटी में कॉमर्शियल इकाई का घोटाला काफी गंभीर प्रमाण में बढ़ गया है।

अमराईवाडी में व्यापारी ने महिला के साथ

मौज-मस्ती करने दे तो सोना के आभूषण मुफ्त में दे दूंगा

अहमदाबाद। पिछले कई समय से शहर में महिलाओं की असुरक्षा बढ़ रही है। शुक्रवार को भी एक ऐसा ही छेड़छाड़ की घटना सामने आई है। अमराईवाडी में एक महिला को मुफ्त में सोने का आभूषण देने का कहकर सोना के व्यापारी ने छेड़छाड़ किए जाने की घटना सामने आने पर पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई। सोना के व्यापारी ने मौज-मस्ती करने दे तो आपको मुफ्त में सोने का आभूषण देने की बात कहकर महिला के साथ शारीरिक छेड़छाड़ किए जाने से महिला पुलिस स्टेशन पहुंच गई थी। पुलिस ने महिला की शिकायत दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, शहर के अमराईवाडी क्षेत्र में स्थित वहाणवटी ज्वेलर्स में खरीदी करने गई महिला के साथ ज्वेलर्स शॉप के मालिक साकलचंद प्रजापति नाम के शख्स ने आप मुझे बहुत ही अच्छी लगती हो, आप मुझे मौज-मस्ती करने दे तो मैं आपको आभूषण मुफ्त दे दूंगा यह कहकर शारीरिक छेड़छाड़ किए जाने की अमराईवाडी पुलिस स्टेशन शिकायत दर्ज कराई है। जिसके अनुसार, शिकायतकर्ता महिला पिछले १० वर्ष से अमराईवाडी में स्थित वहाणवटी ज्वेलर्स में से खरीदी करती होने से इसके मालिक सांकलचंद प्रजापति को जानती है। दो-तीन महीने पहले गीरवी रखकर पायल का ब्याज देने के लिए और सोने की चेन खरीदने की होने से वह उनकी दुकान गई थी। इस दौरान साकलचंद ने दूसरा सोना के गहना ऊपरी मंजिल पर होने का कहकर महिला को ऊपर ले गया, जहां उन्होंने पीछे से महिला को पकड़ लिया और इसे कहा कि, आप मुझे बहुत ही अच्छी लगती हो, आप मुझे मौज-मस्ती करने दे तो मैं आपको मुफ्त में आभूषण दे दूंगा। इसके बाद महिला ने सांकलचंद के पुत्र नितीनभाई को बुलाकर सच्चाई बताई। नितीनभाई ने मुझे धमकी देते हुए कहा कि जो हुआ यह भूल जाना और शिकायत करेगी तो मार डालूंगा। जिसकी वजह से महिला ने अमराईवाडी पुलिस स्टेशन शिकायत दर्ज कराई है।

दाहेज -घोघा रो-रो फेरी सेवा पीछे ७०० करोड़ खर्च

रो-रो फेरी सर्विस ३ दिन बंद जहाज घोटाले की आशंका

अहमदाबाद। फिलहाल में बीच समुद्र में यात्रियों के साथ फंसे हुए दहेज-घोघा रो-रो फेरी सेवा के जहाज को टग नाव द्वारा घोघा बंदर पर लाया गया। इसके बाद यह सेवा लगातार दो दिन से बंद रखी गई है। जो और तीन दिन बंद रखने का निर्णय लिया गया है। जिसे लेकर ट्रीप के लिए एडवान्स बुकिंग करने वाले को रिफंड दिया गया है। हालांकि यह सेवा शुरू होने के बाद अक्सर किसी न किसी वजह से बंद करना अनिवार्य हो रहा है। अब करोड़ों के खर्चे से शुरू की गई रो रो फेरी सेवा में बड़ा घोटाला होने का और यह प्रॉजेक्ट के पीछे सरकार ने ७०० करोड़ रुपये का खर्च किए जाने की चर्चा हो रही है। सिर्फ पंद्रह दिन में जहाज में गंभीर टेकनीकल त्रुटि होने पर कमजोर जहाज होने के बावजूद भी खरीदी करके बड़ा घोटाला किए जाने की चर्चा हो रही है, जिसकी वजह से अब विवाद बढ़ने से सरकार भी डिफेन्स में आ गई है। भरूच के दाहेज और भावनगर के घोघा बंदरगाह के बीच शुरू हुई रो रो फेरी सेवा और तीन दिन बंद रखने का निर्णय लिया गया है। जिसकी वजह से रो-रो फेरी सेवा का विवाद बढ़ गया है। बुधवार को वोयेज का सीमफनी कार्गो जहाज दाहेज से घोघा जाते समय एक इंजन बंद होने पर रूक गया था। जिसे लेकर संचालन करती कंपनी द्वारा दो टग नाव द्वारा ४६७ यात्रियों और ७० वाहनों के साथ यह जहाज को घोघा लाया गया। इस दौरान फंसे हुए लोगों को कंपनी की तरफ से उचित जबाव नहीं मिलने से नाराजगी फैल गई। यह प्रॉजेक्ट के पीछे ७०० करोड़ रुपये खर्च किए जाने की वजह से अब यह सेवा को लेकर कई सवाल किए जा रहे हैं, पूरे प्रॉजेक्ट में और कमजोर जहाज की जानकारी होने के बावजूद भी इसकी खरीदी में बड़े पैमाने पर घोटाला किए जाने की चर्चा हो रही है। यह सेवा के लिए जहाज वोयेज सिम्फनी २० मिलियन डॉलर यानी कि करीब १४४ करोड़ रुपये में खरीदा गया है। अब इसमें इसमें भी त्रुटि होने के कारण लोगों में कई आशंका रही है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)